अनमोल वचन

श्रीमति कृष्णा सैनी
रूड़की

इस तरह न कमाओ कि पाप हो जाए।
इस तरह न खर्च करो कि कर्जा हो जाए।
इस तरह न खाओ कि मर्ज हो जाए।
इस तरह न चलो कि देर हो जाए।
इस तरह न सोचो कि चिन्ता हो जाए।

धन से

धन से पुस्तक मिलती है.....किन्तु ज्ञान नहीं।
धन से आभूषण मिलता है.....किन्तु रूप नहीं।
धन से सुख मिलता है.....किन्तु आनन्द नहीं।
धन से साथी मिलता है.....किन्तु सच्चा मित्र नहीं।
धन से भोजन मिलता है.....किन्तु भूख नहीं।
धन से दवा मिलती है.....किन्तु स्वास्थ्य नहीं।
धन से बिस्तर मिलता हैं.....किन्तु नींद नहीं।